परिवार केंन्द्रित नवजात शिशु की देखभाल

कंगारू मातृ देखभाल (के०एम०सी०)

कंगारू मातृ देखभाल क्या है?

कंगारु मातृ देखभाल, नवजात शिशु विशेष रुप से समय-पूर्व जन्मे शिशुओं के देखरेख की ऐसी तकनीक है, जिसमें नवजात शिशु की देखभाल उसके माता-पिता अथवा अभिभावक त्वचा से त्वचा के स्पर्श द्वारा करते हैं।

कंगारू मातृ सुरक्षा की जरुरत क्यों है ?

समय से पूर्व जन्में बच्चों में ठण्डा पड़ने की प्रवृति होती है, जिससे उनके वज़न में कमी एवं खतरा होता है। ऐसे में उनका तापमान बनाये रखना अति आवश्यक है।

फायदे:

- तापमान सामान्य रहता है।
- वज़न तेजी से बढ़ता है।
- संक्रमण से बचाव होता है।
- निशुल्क और सहज तरीका है।

कब शुरू करना चाहिए ?

- डॉक्टर एवं नर्स के सलाहनुसार ।
- शुरूआत में डॉक्टर एवं नर्स की निगरानी में करनी चाहिए ।

विधि:

- माँ के कपड़े आगे से खुलें हो।
- बच्चा टोपी, मोज़े, लंगोट पहना हो।

- बच्चे को माँ के दोनों वक्ष के बीच में लिटायें।
- बच्चे का सिर इस तरह से रखा हो कि माँ बच्चे को लगातार देख सकें।
- बच्चा माँ की छाती पर पैर-फैली अवस्था में रहे और माँ के गाऊन या किसी अन्य कपड़े से बच्चे को ढक लें।

विशेष ध्यान देने योग्य बातें:

- बच्चा सांस सही ले रहा हो।
- बच्चे की दिल की धड़कन लगातार महसूस हो।

- तापमान सामान्य रहे।
- बच्चे के पिता, दादी या परिवार के अन्य सदस्य भी यह प्रक्रिया कर सकते हैं।

समय:

- प्रतिदिन कम से कम एक घण्टे के लिये दिन में कई बार करायें।